# त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-16, भोपाल, 16 से 30 जून 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com


## संक्षिप्त समाचार

### अंधेरे में इस्तेमाल करते हैं स्मार्टफोन तो हो सकते हैं अंधें

**नई दिल्ली। आप भी उन लोगों में जरूर शामिल होंगे जो रात को सोने से पहले कमरे की लाइट बुझाकर अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते होंगे। अगर अप अभी तक ऐसा करते आएं हैं तो अब आपको संभल जाने की जरुरत है। बता दें कि लगातार ऐसा करने के चलते कई लोगों में अंधेपन के लक्षण देखें गए हैं और दो महिलाएं तो पूरी तरह आंखों की रौशनी गंवा बैठी हैं। कौन हैं महिलाएं न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक एक महिला की उम्र 22 साल जबकि दूसरी की 40 साल है। अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से शुरुआत में इनमें अंधेपन के लक्षण देखे गए। डॉक्टर्स के मना करने के बावजूद इन्होंने सावधानी नहीं बरती जिसके चलते अब ये पूरी अंधी हो गई है।**

### मणिमहेश यात्रा 2016 कब होगी यात्रा शुरू

**नई दिल्ली। मणिमहेश यात्रा के दौरान इस बार सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जाएंगे। यात्रा को इस बार दस की जगह 12 सेक्टर में बांटा जाएगा और हर पड़ाव पर पुलिस के पहरे में सूचना केंद्र की व्यवस्था की जाएगी। हर केंद्र के तार भरमौर मुख्यालय से जोड़े जाएंगे। पल-पल की अपडेट भरमौर मुख्यालय में स्थापित सूचना केंद्र को मिलती रहेगी। यह निर्देश उपायुक्त सुदेश मोख्टा ने मणिमहेश की यात्रा करने के बाद ट्रस्ट की बैठक को संबोधित करते हुए दिए। उन्होंने बताया कि मणिमहेश के लिए यात्रियों और खच्चर या घोड़ों के लिए अलग-अलग मार्ग बनाए जाएंगे।**

### पाकिस्तानी सेना ने कहा- हमारे लिए हिंदुस्तान है 'सबसे बड़ा खतरा'

**नई दिल्ली। भारत के खिलाफ एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का डर सामने आया है. जर्मनी के एक चैनल पर पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने भारत को पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है. शीर्ष अधिकारी का कहना है कि हिंदुस्तान ने ही पाकिस्तान को अपनी रक्षा प्रणाली 'भारत आधारित' बनाने को मजबूर किया है। पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता असीम बाजवा ने कहा कि भारत से बातचीत करने की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा, हालांकि कश्मीर का पुराना लंबित मामला दोनों देशों के बीच तनाव का कारण है. उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर भी आरोप लगाया कि वे पाकिस्तान को पर्याप्त सहयोग नहीं कर रहे हैं।**

### सहारा संपत्ति नीलामी: सेबी ने 16 संपत्ति और जोड़ी

**नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सहारा समूह की नीलाम की जाने वाली संपतियां में 16 और भूखंडों को इसमें शामिल किया है। इनके लिए आरक्षित मूल्य 650 करोड़ रुपये रखा गया है। इन संपतियां की नीलामी अगले महीने की जाएगी। इस तरह संकट में फंसे समूह की नीलाम की जाने वाली संपतियां की संख्या 58 हो गई है, जिनका कुल आरक्षित मूल्य करीब 5,000 करोड़ रुपये बैठता है।**

## एस.सी.ओ. समिट में मोदी ने कहा

# खुशहाली का कारण बनेगी भारत की मौजूदगी

**ताशकंद।** एनएसजी ग्रुप में भारत की एंट्री की उम्मीदें भले ही कमजोर हुई हों लेकिन भारत को औपचारिक रूप से शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का सदस्य बन गया है। भारत ने उफा समिट में सदस्यता के लिए आवेदन दिया था।

इस मौके पर एससीओ समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इसमें औपचारिक एंट्री के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि भारत की मौजूदगी एससीओ के लिए खुशहाली का कारण बनेगी। उन्होंनेकहा कि भारत इस क्षेत्र में नया देश नहीं है। ना ही ऐसा है कि हम केवल भौगोलिक दृष्टि से ही एक दूसरे के करीब हैं, बल्कि भारत के एससीओ में शामिल सदस्य देशों के साथ वर्षों से दोस्ताना संबंध रहे हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एससीओ की सीमाएं आज प्रशांत महासागर से लेकर यूरोप तक और आर्कटिक से लेकर भारतीय महासागर तक फैली है। इसमें शामिल सभी देश स्थिरता, सुरक्षा और विकास को लेकर एक दूसरे से अपने विचार और अनुभव बांटते आए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें एससीओ की काबलियत और इससे मिलने वाले फायदों को लेकर जरा भी संदेह नहीं है। न ही भारत इस संगठन के जरिए उर्जा, प्राकृतिक संसाधन और उद्योग के क्षेत्र में होने वाले फायदे पर जरा भी संदेह करता है। उन्होंने भारत को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि यहां पर बाजार की अपार संभावनाएं है। इस क्षेत्र में भारत ने बेहतर विकास दर से विकास भी किया है। एससीओ के अंदर भारत ने काफी सकारात्मक भूमिका अदा की है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि हमने हमेशा से ही दूसरे देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की बात कही है। यही वजह है कि हमने चाहबार समझौता किया और इसके जरिए व्यापार के नए रास्ते भी तलाशे। अशगाबात समझौता भी इसका ही एक पार्ट है। भारत ने हमेशा ही इस क्षेत्र की खुशहाली के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा से हिंसा, आतंकवाद और घृणात्मक प्रवृत्ति की आलोचना की है और इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की बात भी कही है।

**यह है एससीओ :** अप्रैल 1996 में शंघाई में हुई एक बैठक में चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान ले मिलकर एक-दूसरे के नस्लीय और धार्मिक तनावों से निबटने के लिए सहयोग करने पर सहमति जताई। इन पांच देशों के ग्रुप को तब शंघाई फाइव कहा गया था।

जून 2001 में चीन, रूस और चार मध्य एशियाई देशों कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं ने शंघाई सहयोग संगठन शुरू किया और नस्लीय और धार्मिक चरमपंथ से निबटने और व्यापार और निवेश को बढाने के लिए समझौता किया। शंघाई फाइव में उजबेकिस्तान के आने के बाद इस समूह को शंघाई सहयोग संगठन कहा गया। शंघाई सहयोग संगठन के छह सदस्य देशों का भूभाग यूरोशिया का 60 प्रतिशत है।

## ब्रेक्जिट से पड़ने वाले प्रभावों से निपटने के लिए हम तैयार: अरुण जेटली

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली ने कहा कि ब्रेक्जिट से पड़ने वाले लघु और मध्यम प्रभावों से निपटने के लिए हम पूरी तरह से तैयार। ब्रिटेन में हुए जनमत संग्रह पर जेटली ने अपने वक्तव्य में कहा है कि हमने अभी तुरंत ही ब्रिटेन के लोगों का यूरोपीय संघ में रहने अथवा बाहर जाने पर हुए जनमत संग्रह का निर्णय देखा है। हम उस जनमत संग्रह के निर्णय का सम्मान करते हैं। साथ ही आने वाले समय में और मध्यम अवधि में इसके महत्व से अवगत हैं। वित्तमंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है इस वैश्विक दुनिया में परिवर्तनशीलता और अनिश्चितता नए मानक हैं। इस निर्णय से निश्चित रूप से भविष्य में उतार-चढ़ाव होगा, क्योंकि ब्रिटेन, यूरोप और बाकी बचे दुनिया के लिए इसका पूर्ण तात्पर्य अब तक अनिश्चित है। दुनिया के सभी देशों को एक निश्चित अवधि के लिए इस जनमत संग्रह से होने वाले मध्यम अवधि के प्रभावों के लिए अपने आपको तैयार और चौकन्ना रखना होगा।

## केजरीवाल का पीएम पर हमला, क्या हासिल हुआ विदेश यात्राओं से?

**नई दिल्ली।** भारत की सदस्यता मुहिम को लेकर परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) की बैठक बेनतीजा रहने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि विदेश नीति के मोर्चे पर प्रधानमंत्री 'नाकाम' रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपनी विदेश यात्राओं के दौरान क्या कुछ किया इस बारे में उन्हें स्पष्टीकरण देना चाहिए। केजरीवाल ने ट्विटर पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी विदेश नीति के मोर्चे पर पूरी तरह नाकाम रहे हैं। उन्होंने अपनी विदेश यात्राओं के दौरान क्या कुछ किया इस बारे में उन्हें स्पष्टीकरण देना होगा? कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि स्विट्जरलैंड ने भी एनएसजी में भारत की सदस्यता की मुहिम का विरोध किया है।

## स्वामी बोले- अगर मैं अनुशासन का सम्मान नहीं करूं तो खून-खराबा हो जाएगा

**नई दिल्ली। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने तीखे जुबानी हमलों का एक और नया मोर्चा खोला. स्वामी ने वित मंत्री अरुण जेटली पर परोक्ष हमला करते हुए उन्हें 'बिन मांगे सलाह देने वाला बताया.' इस बार उन्होंने हालांकि इस्तीफे की मांग नहीं की.**

**स्वामी ने एक ट्वीट में कहा, 'लोग बिना मांगे मुझे अनुशासित रहने और चुप रहने की सलाह दे रहे हैं, लेकिन यह नहीं समझ रहे हैं कि यदि मैं अनुशासन का सम्मान नहीं करूं तो खून-खराबा हो जाएगा.' स्वामी ने हालांकि जेटली का नाम नहीं लिया, लेकिन स्वामी का यह ट्वीट जेटली द्वारा उन्हें सार्वजनिक तौर पर झिड़की लगाने के बाद आया है. स्वामी की मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम को बर्खास्त करने की मांग पर जेटली ने उनकी सार्वजनिक निंदा की थी। जेटली ने कहा था, 'पार्टी ने कहा है कि वह स्वामी के बयान से सहमत नहीं है. मैं भारतीय नेताओं के अनुशासन के संदर्भ में भी एक तथ्य रखना चाहता हूं.. आखिर हम उन लोगों पर किस हद तक हमला कर सकते हैं।**

### जज वह रैफरी है जो सही

# गलत में अंतर करता है : काटजू

**इंदौर।** इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ द्वारा लॉ कर रहे विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाने, उन्हें न्याय प्रणाली की जानकारी देने और न्यायमूर्ति की भूमिका के बारे में बताने के लिए मंगलवार को 'कानून के क्षेत्र में बढ़ती अव्यवस्था' विषय पर संतोष सभागृह में संगोष्ठी आयोजित की गई। विषय पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति व प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मार्कण्डेय काटजू ने कहा कि न्यायमूर्ति का काम है मतभेद मिटाना। हर समाज में कुछ मतभेद होते हैं। ये मतभेद आवाम और शासन व्यवस्था दोनों की ही तरफ से हो सकते हैं। इन परिस्थिति में न्यायमूर्ति का काम है कि वह इस अव्यवस्था का निराकरण शांति और सहजता से कर सके। न्यायाधीश सामाजिक कार्यकर्ता नहीं बल्कि रैफरी है जो अपने स्तर पर कार्य नहीं कर सकता लेकिन सही-गलत में अंतर जरूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश के तीन काम होते हैं पर वर्तमान में ये तीनों ही काम सुचारु ढंग से नहीं हो रहे हैं। न्यायाधीश को सबसे पहले केस के निवारण पर ध्यान देना चाहिए। नियमानुसार एक न्यायालय में 300 से ज्यादा केस पेंडिंग नहीं होना चाहिए, लेकिन हमारे देश में हर न्यायालय में 30 हजार केस व देश में करीब 33 मिलियन केस पेंडिंग हैं। दूसरे क्रम पर न्यायाधीश का ईमानदार होना, तीसरा और सबसे अहम गुण है न्यायिक प्रक्रिया के सिद्धांतों पर ध्यान देना। न्यायाधीश को निर्णय लेने से पहले हर पक्ष पर ध्यान देना चाहिए। निर्णय वही दें, जिसका पालन किया जा सके। जज का काम संदेश देना नहीं, संतुलन बनाए रखना है।

संस्थान में पूर्व में आयोजित स्पर्धाओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर आइकॉन एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन कांतिलाल बम, इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ के चेयरमैन अक्षयकांति बम, कार्यकारी निदेशक गौरव बसंत जैन, आशीष सेठिया, विभागाध्यक्ष मनप्रीतकौर राजपाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

### जनप्रतिनिधियों को दबाया तो

# अधिकारियों को ठीक कर देंगे : विजयवर्गीय

**इंदौर।** निगम अफसर रोहन सक्सेना को चांटा मारने वाले आरोपी की गिफ्तारी और कोर कमेटी की बैठक के बाद मामला ठंडा पढ़ने लगा था। मंगलवार शाम को इंदौर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बयान से मामले के फिर तूल पकढ़ने के अंदेशा जताया जा रहा है। विमानतल पर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए विजयवर्गीय ने कहा किसी की भी ज्यादती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी बचकानी बात करते हैं। वे इस तरह से जनप्रतिनिधियों को दबा नहीं सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो अधिकारियों को ठीक कर देंगे। यह प्रजातंत्र है। प्रदेश में सरकार हमारी है। हमारे मुख्यमंत्री संजीदा हैं। यदि अफसर ऐसा करते हैं तो उन्हें ठीक किया जाएगा। मामला गरमाने के बाद इस घटना पर ताबड़तोड़ कोर कमेटी की बैठक बुलाकर इसे शांत करने की कोशिश की गई थी। नेताओं और अफसरों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी प्रभारी मंत्री को सौंपी गई थी। ऐसे में राजनीतिक हलकों में विजयवर्गीय के इस बयान के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। 30 जून तक जेल्ल आरोपी राधाकिशन जायसवाल निवासी शीतल नगर को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। विजय नगर पुलिस के मुताबिक कोर्ट के निर्देश पर आरोपी को 30 जून तक जेल भेज दिया गया।

# निगम का भरोसा छोड़ रहवासियों ने किया बचने का इंतजाम

**इंदौर।** महालक्ष्मी नगर क्षेत्र में बालाजी हाइट्स रेसिडेंशियल सोसायटी के रहवासी नगर निगम का भरोसा छोड़ खुद ही जलजमाव से निपटने के इंतजाम कर रहे हैं। पिछले साल यहां पार्किंग में पानी भरने से 80 से अधिक चार पहिया और करीब सौ दोपहिया वाहन डूब गए थे। इससे रहवासियों को करीब डेढ़ करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। रहवासियों ने खुद के खर्च से अपने परिसर में वाटर रीचार्जिंग साइट तैयार की है जबकि टैंक बनाकर मोटर से पानी बाहर फेंकने की व्यवस्था भी की है। सोसायटी प्रेसिडेंट अर्चना कौशल और वाइस प्रेसिडेंट वैभव रेगे ने बताया बीते साल बेसमेंट में पानी भरने से गाड़ियों को हुए नुकसान की स्थिति इस बार न बने, इसलिए हमने मल्टी के चारों ओर थोड़ी-थोड़ी दूर करीब आठ वाटर रीचार्जिंग साइट तैयार की है। इनमें छतों का पानी पहुंचाने के लिए पाइप डाले गए हैं। इनसे परिसर का जमा पानी भी जमीन में उतर जाएगा।

तीन मिनट में फेंक सकते हैं 5000 लीटर पानी परिसर के निचले हिस्से में जहां सबसे ज्यादा पानी इकठ्ठा होता है, वहां बनाए गए टैंक को बढ़ा कर दिया गया है। इसकी गहराई 10 फीट है। परिसर में बहने वाला पानी ढलान के चलते इस टैंक में आता है और यहां से मोटर से इसे पीछे नाले में फेंका जा रहा है। यहां से तीन मिनट में 5 हजार लीटर पानी परिसर के बाहर फेंका जा सकता है।

दीवार बनाई, तालाब चौड़ा किया रेगे ने बताया महालक्ष्मी नगर और आसपास की सभी कॉलोनियों का पानी खाली मैदान में होकर छोटे नाले के जरिए यहां तक पहुंच रहा था। हमने नाले के किनारे छोटी दीवार बना दी है जिससे पानी यहां बेसमेंट में नहीं आ सकेगा। इन सब इंतजामों पर करीब 3.5 लाख रुपए खर्च किए गए। पीछे के नाले की सफाई के लिए निगम से लगातार बात कर रहे थे। कुछ ही दिन पहले ही नाले से अतिक्रमण हटाकर चौड़ीकरण किया गया। इससे पानी की निकासी की समस्या दूर होगी।

### 75 बीघा जमीन का है विवाद, जगेश्वर मंदिर के पुजारी ने मंदिर की करीब 75 बीघा जमीन वर्षों पूर्व गांव के निवासी जीतू व बाबू को खेती के लिए दी थी

# उज्जैन में जमीन नपती के लिए जा रहे पटवारी पर चाकू से हमला

**उज्जैन।** भैरवगढ़ क्षेत्र के पटवारी पर सोमवार सुबह बाइक पर आए तीन बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। पटवारी कोर्ट के आदेश पर कोल्हूखेड़ी गांव में जमीन नपती के लिए चौकीदार के साथ बाइक पर जा रहे थे। पुलिस हमला करने वालों की तलाश में जुटी है।

भैरवगढ़ थाना प्रभारी राकेश कुमार नैन ने बताया सुभाष पिता रामशंकर शर्मा (50) निवासी भैरवगढ़ थाने के सामने क्षेत्र के पटवारी हैं। उनके पास कोल्हूखेड़ी, भैरवगढ़, आहूखाना, मौजमखेड़ी सहित अन्य गांव का प्रभार है। कोल्हूखेड़ी स्थित जगेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी उपेंद्र चतुर्वेदी जमीन विवाद का केस कोर्ट में जीते हैं। कोर्ट के निर्देश पर सोमवार सुबह करीब 10 बजे पटवारी शर्मा चौकीदार दिनेश के साथ बाइक पर जमीन की नपती के लिए गांव जा रहे थे। इस बीच सिद्धवट मंदिर के समीप बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोका और शर्मा को चाकू मारकर भाग निकले। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग शर्मा को लेकर अस्पताल पहुंचे। पटवारी के अनुसार बदमाश एकाएक आए।

कुछ समझ पाते इससे पहले ही चाकू से जांघ पर वार किए और वहां से निकल गए। बदमाशों को वह नहीं पहचानते। हालांकि बाइक का नंबर देखा है। जिसे पुलिस को बता दिया है। मगर टीआई का कहना है कि पटवारी ने बाइक की सीरीज नहीं देखी। इससे बाइक सवार को तलाशने में दिक्कत आ रही है। उपचार के बाद पटवारी को डिस्चार्ज कर दिया गया है। टीआई नैन ने घर पहुंचकर बयान दर्ज किए।

**75 बीघा जमीन का है विवाद**

जगेश्वर मंदिर के पुजारी ने मंदिर की करीब 75 बीघा जमीन वर्षों पूर्व गांव के निवासी जीतू व बाबू को खेती के लिए दी थी। मगर दोनों ने जमीन पर कब्जा कर लिया। इसके कारण पुजारी ने कोर्ट केस लगाया था। हाईकोर्ट से पुजारी के पक्ष में फैसला आया है।

कोर्ट के निर्देश पर सोमवार को पटवारी शर्मा जमीन नपती के लिए जा रहे थे। हमला होने के बाद घट्टिया एसडीएम एसआर सोलंकी, तहसीलदार राजाराम करजरे गांव पहुंचे और जमीन पर पुजारी का कब्जा दिलवाने की कार्रवाई की।

टीआई नैन के अनुसार जगेश्वर मंदिर के पुजारी ने बताया है कि जीतू व बाबू ने जमीन उज्जैन के कुछ बदमाशों को खेती के लिए दे रखी थी। हर साल वे ही लोग खेती करते हैं। आशंका है कि वे लोग नहीं चाहते कि जमीन पर उनका कब्जा हटे। उनसे भी हमले के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

## साल का सबसे बड़ा दिन

**उज्जैन। 21 जून को साल का सबसे बड़ा दिन और रात सबसे छोटी रही। सूर्य की गति में परिवर्तन के कारण यह स्थिति बनी। 13 घंटे से अधिक का दिन रहा। अब इसके बाद धीरे-धीरे दिन छोटे होने लगेंगे। दोपहर 12 बजकर 28 मिनट पर परछाई ने भी साथ छोड़ दिया। जीवाजी वेधशाला के मुताबिक 21 जून को सूर्य उत्तरीय गोलार्द्ध में कर्क रेखा पर सीधा लंबवत् रहा। इसके कारण दिन लगभग 13 घंटे 19 मिनट का रहा, जबकि रात 10 घंटे 41 मिनट की रही। दोपहर में 12 बजकर 28 मिनट पर थोड़ी देर के लिए परछाई ने भी साथ छोड़ दिया। सूर्य की गति उत्तर की तरफ थी, जो अब 22 जून से दक्षिण की ओर हो गई। सूर्य 23 अंश 26 मिनट उत्तरी अक्षांश पर कर्क राशि में प्रवेश करके उत्तरायण से दक्षिणायन में गमन करेगा। सूर्य के दक्षिण की तरफ होने से धीरे-धीरे दिन की अवधि कम होने लगेगी। ये सिलसिला सितंबर माह तक चलेगा। 23 सितंबर को दिन और रात बराबर होंगे।**

## उज्जैन के पंथपिपलाई टोल नाके पर पथराव

**उज्जैन। पंथपिपलाई टोल नाके के पर बाइक से आए 30-40 लोगों ने पथराव किया। जानकारी के मुताबिक टोल नाकाकर्मियों को यह सूचना मिली थी कि कुछ लोग वहां तोड़फोड़ करने आ रहे हैं। इस पर उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस के जवाना मौके पर पहुंचे। इसके कुछ देर बाद ही 30-40 लोग बाइक से वहां पहुंचे और दूर से पत्थर फेंकना शुरू कर दिए। इस पर पुलिस उनके पीछे दौड़ी तो सभी बाइक स्टार्ट कर भाग निकले। बताया जा रहा है कि इस दौरान हमलावरों ने एक हवाई फायर भी किया। लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।**

# आपदा में राहत के लिए उपयोगी होगा टोल फ्री नंबर 1079

## मुख्य सचिव ने दिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

**भोपाल।** प्रदेश में बाढ़ , आंधी तूफान, रेल सड़क दुर्घटना, भूकंप, आगजनी, रासायनिक-गैस रिसाव जैसी आपदा से न्यूनतम समय में प्रभावी तरीके से सहायता पहुंचाने के लिए विकसित की जा रही राज्य आपदा कमांड प्रतिक्रिया एवं निगरानी प्रणाली का प्रस्तुतिकरण मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा के समक्ष किया गया। प्रदेश को सुरक्षित और आपदा का सामना करने में सक्षम व समर्थ राज्य बनाने के उद्देश्य से विकसित की जा रही इस प्रणाली में समस्त शासकीय, अशासकीय संसाधनों, सामाजिक - परोपकारी संगठनों तथा स्व प्रेरणा से आपदा में सहायता के लिए आगे आने वाले व्यक्तियों को जोड़ा गया है।

प्रणाली का प्रस्तुतिकरण देते हुए महानिदेशक होमगार्डस् श्री मैथिलीशरण गुप्त ने बताया कि आपदा में सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 1079 संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में एक लाख दस हजार सिविल डिफेंस वालेंटियर को अलग अलग तरह की आपदा पूर्ण परिस्थितियों में राहत पहुंचाने और फस्टएड देने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। आपदा के समय उपयोग में आ सकने वाले स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूल - कॉलेज, वेयर हाउस जैसे बड़े भवन, सुरक्षित पेयजल स्त्रोतों, विद्युत आपूर्ति केंद्रों को जिलावार सूचीबद्ध किया गया है। आपदा में काम आ सकने वाले दस लाख निजी वाहनों को भी प्रणाली से जोड़ा गया है।

आपदा की स्थिति में यह प्रणाली आपदा स्थल के आसपास के शासकीय तथा अशासकीय संगठनों, सामाजिक संस्थाओं को वेबसाइट - मोबाइल से सूचना प्रेषित करेगी साथ ही स्थानीय प्रशिक्षित वालेंटियर को भी स्थल पर तुरंत पहुंचने का संदेश देगी । मुख्य सचिव ने इस प्रणाली का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण प्रक्रिया आरंभ करने के निर्देश भी दिए। प्रस्तुतिकरण के दौरान अपर मुख्य सचिव वित्त श्री ए.पी. श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव गृह श्री बी. पी. सिंह तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

### 'ग्रामोदय से भारत उदय' अभियान में एक लाख से अधिक जल संरक्षण के कार्य

**भोपाल। 'ग्रामोदय से भारत उदय' 'अभियान में ग्रामीण विकास विभाग ने प्रदेश में एक लाख से अधिक जल-संरक्षण के कार्य किये हैं। अभियान के दौरान 18 हजार से अधिक खेत-तालाबों में जल-संरक्षण के काम किये गये। इनमें से 3 हजार से ज्यादा काम मात्र 2 माह में पूरे हो चुके हैं। इन तालाबों के अलावा पुरानी बनी 7 हजार से ज्यादा जल-संरचनाओं के मरम्मत का काम भी हाथ में लिया गया है।**

### देश को स्किल्ड मेन पावर की जरूरत है

**भोपाल। गृह एवं जेल मंत्री श्री बाबूलाल गौर ने कहा कि देश के विकास के लिए स्किल्ड मेन पावर की जरूरत है। इस मंशा को पूरा करने में सिपेट युवा को दक्षता देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। श्री गौर सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी (सिपेट) के 48वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री गौर ने सिपेट से प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राओं को विभिन्न कम्पनियों द्वारा दिये ऑफर लेटर और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मान-पत्र दिये।**

# ई-लाड़ली में 10 लाख से अधिक प्रमाण-पत्र जारी

**भोपाल।** लाड़ली लक्ष्मी योजना में दस लाख से अधिक बालिकाओं को ई-लाड़ली में पंजीकृत कर प्रमाण-पत्र जारी किये गए हैं। इस कार्य में तेजी लाने के लिए मुख्य सचिव श्री अंटोनी डिसा ने सभी जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में जुलाई माह में प्रमाण-पत्र जारी करने का कार्य शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिये हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना को हितग्राहियों के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्णय लिया है। इसमें अभी तक 10 लाख 58 हजार बालिकाओं को ई-लाड़ली में पंजीकृत कर प्रमाण-पत्र जारी किये गए हैं। प्रमाण-पत्र जारी करने का कार्य शीघ्र पूरा हो इसके लिए मुख्य सचिव श्री अंटोनी डिसा ने सभी कलेक्टर को पत्र लिखकर जुलाई माह में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने को कहा है। मुख्य सचिव ने प्रमाण-पत्र जारी करने में टीकमगढ़, श्योपुर, रीवा, भिंड, सीधी और दमोह जिले के कलेक्टर को विशेष प्रयास कर कार्य में गति लाने को कहा है। वहीं उत्कृष्ट कार्य करने पर होशंगाबाद, कटनी, गुना, बालाघाट और आगर मालवा के कलेक्टर की सराहना की है।बालिकाओं को ई-लाड़ली में पंजीकृत कर प्रमाण-पत्र जारी करने की जिलेवार स्थिति इस प्रकार है:- होशंगाबाद-30040, कटनी-28168, गुना-25168, बालाघाट-51455, आगर-12543, बुरहानपुर-15765, हरदा-10647, मण्डला-30338, सिवनी-37386, शिवपुरी-36023, रायसेन-28367, अलीराजपुर-13656, जबलपुर-58750, शाजापुर-17245, झाबुआ-22142, छिन्दवाड़ा-58508, बैतूल-34219, नीमच-15213, पन्ना-16489, नरसिंहपुर-24181, धार-42303, मुरैना-30345, भोपाल- 42617, अनूपपुर-14270, बड़वानी-14568, खण्डवा-22115, रतलाम-23980, सागर-37333, उमरिया-7261, खरगौन-25346, शहडोल-15325, मंदसौर-18254, डिण्डोरी-11476, छतरपुर-18235, अशोकनगर-7497, सिंगरोली-9363, दतिया-6892, उज्जैन-20283, इंदौर-29378, देवास-13281, सतना-19586, राजगढ़-8532, सीहोर-9489, विदिशा-8809, ग्वालियर-8875, टीकमगढ़-6976,श्योपुर-1915, रीवा-6381, भिण्ड-4554, सीधी-2802।

**योग दिवस**

## जिलों, ब्लॉक, तहसील और पंचायत-स्तर पर हुए योग प्रदर्शन

# मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय पर्व बना योग दिवस

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में योग दिवस अंतर्राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया गया। योग दिवस पर किये जाने वाले योगाभ्यास को लेकर नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों एवं शासकीय-अशासकीय संस्थाओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। सुबह सूर्य की किरणों के साथ खेल-मैदानों और सभागारों में योग के सामूहिक प्रदर्शन से पूरा वातावरण ही योगमय हो गया था। स्कूली बच्चों ओर कॉलेज के विद्यार्थियों ने मानों योग को अपने दैनंदिन जीवन में आत्मसात कर लिया हो। सामूहिक योग प्रदर्शन में पुरुष और महिला दोनों की समान भागीदारी रही। राज्य-स्तरीय समारोह भोपाल के लाल परेड मैदान पर हुआ, जबकि जिलों, ब्लॉक और तहसील-स्तर पर हुए कार्यक्रम में मंत्रीगण, सांसद, विधायक और अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल हुए।

ग्वालियर जिले में हुए सामूहिक योग कार्यक्रम में केन्द्रीय इस्पात एवं खान मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती माया सिंह शामिल हुईं। केन्द्रीय इस्पात मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर भारतीय संस्कृति की प्राचीनतम विधा योग को पूरी दुनिया ने अपनाया है। श्रीमती सिंह ने कहा कि योग से न केवल हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं, बल्कि हमारा मन भी प्रफुल्लित रहता है। समारोह में महापौर श्री विवेक नारायण शेजवलकर और विधायक श्री भारत सिंह कुशवाह, तथा अन्य जन-प्रतिनिधियों ने योगाभ्यास और प्राणायाम किये।

जबलपुर में केन्द्रीय कपड़ा राज्य मंत्री श्री संतोष कुमार गंगवार और प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री शरद जैन की उपस्थिति में योग दिवस कार्यक्रम हुआ। इस दौरान नेत्रहीन और मूक-बधिर बच्चों ने भी योगासन किये। कार्यक्रम में विधायक श्री अंचल सोनकर और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा पटेल भी उपस्थित थीं।

रायसेन में वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार की उपस्थिति में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारी-कर्मचारी तथा जन-प्रतिनिधियों ने सामूहिक योग किया। सागर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री गोपाल भार्गव की उपस्थिति में योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में जिले की 32 संस्थाओं के लगभग 7 हजार प्रतिभागी ने हिस्सा लिया। धार जिले में जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत-स्तर तक द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम हुए। मुख्य कार्यक्रम किला मैदान ग्राउण्ड में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी डॉ. नरोत्तम मिश्र की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा, विधायकगण, बड़ी संख्या में नागरिक एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

छिन्दवाड़ा में किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन, विधायक चौधरी चन्द्रभान सिंह, नगर निगम महापौर श्रीमती कांता सदारंग की उपस्थिति में योग दिवस मनाया गया।

कटनी जिला मुख्यालय कटनी में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री कुँवर विजय शाह की उपस्थिति में योग दिवस मनाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री का संदेश प्रसारित किया गया। विधायक श्री संदीप जायसवाल भी उपस्थित थे।

दमोह में वित्त एवं जल-संसाधन मंत्री श्री जयंत मलैया की उपस्थिति में योग दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने सामूहिक योग किया। इंदौर में राजस्व एवं पुनर्वास मंत्री श्री रामपाल सिंह के मुख्य आतिथ्य में योग दिवस मनाया गया। यहाँ पर 21 हजार से अधिक लोगों ने सुबह एक घंटे योग साधना की। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता और सुश्री उषा ठाकुर भी उपस्थित थीं। पन्ना में पशुपालन, पीएचई, ग्रामोद्योग, मछली-पालन एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री सुश्री कुसुम महदेले के मुख्य आतिथ्य में योग दिवस मनाया गया। उज्जैन में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री पारस जैन की उपस्थिति में सामूहिक योगाभ्यास किया गया। इस दौरान सांसद श्री चिंतामणि मालवीय और विधायक श्री मोहन यादव भी उपस्थित थे।

# सम्पादकीय

## कितना सही या गलत था उड़ते पंजाब को रोकना

फिल्मों के प्रदर्शन और उस पर पाबंदी को लेकर विवाद पहले भी होते रहे हैं, लेकिन 'उड़ता पंजाब' को लेकर पैदा हुए टकराव ने जिस तरह राजनीतिक शक्ल ले ली थी, वैसा कम देखा गया है। हालत यह है कि एक ओर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष पहलाज निहलानी ने इस फिल्म के लिए आम आदमी पार्टी से धन मिलने तक की आशंका जता दी थी वही दूसरी ओर, अरविंद केजरीवाल ने इस फिल्म को रोकने की कोशिश में भाजपा के शामिल होने का आरोप लगाया था।

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने भी फिल्म के पक्ष में खुल कर अपनी राय जाहिर की थी। लेकिन इस सबसे अलग एक फिल्म में प्रस्तुत कुछ दृश्यों और संवादों की वजह से रोके जाने या उसे बदलने की सलाह देने को हमेशा एक कलात्मक अभिव्यक्ति को बाधित करने के तौर पर देखा गया है। सेंसर बोर्ड की ओर से भी ऐसी ही दलील दी गई थी। जबकि अधिकतर फिल्म समीक्षकों ने इस फिल्म की बड़ी तारीफ करते हुए इसे एक आर्ट फिल्म की श्रेणी मे रखा हैं। दरअसल, इस फिल्म के विवाद की वजह इसका विषय है, जिसमें पंजाब में नशे की शिकार युवा पीढ़ी को दिखाया गया है। लेकिन खबरों के मुताबिक इस क्रम में गालियां या अपशब्दों का जिस पैमाने पर इस्तेमाल किया गया है, सेंसर बोर्ड की निगाह में वे बेहद आपत्तिजनक हैं। सेंसर बोर्ड को इस बात पर भी आपत्ति है कि फिल्म के नाम में पंजाब शब्द क्यों है। इसलिए तकरीबन नब्बे दृश्यों पर कैंची चलाने के अलावा यह भी सलाह दी गई है कि फिल्म के नाम में से भी पंजाब को हटाया जाए, तभी इसे सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। सवाल है कि अगर फिल्म में बड़ी तादाद में युवाओं को नशे की गिरफ्त में दिखाया गया है और यह पंजाब की गलत तस्वीर है तो इसका फैसला पंजाब या दूसरे इलाकों के दर्शक करेंगे या लोगों को इस सवाल से रूबरू भी नहीं होने दिया जाएगा!

फिल्म के निर्माता अनुराग कश्यप ने इसे सेंसर बोर्ड की तानाशाही कहा था और इसके लिए अदालती लड़ाई में जाने का फैसला किया था। इससे पहले जितनी भी फिल्मों से जुड़े विवाद अदालत के पास पहुंचे, उन्होंने इसे कला और अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ा मामला बता कर उसके सही या गलत होने का निर्णय दर्शकों पर छोड़ देने का पक्ष लिया। यों सभी जानते हैं कि पंजाब में नशे की समस्या दिनोंदिन गहराती गई है और यह गंभीर चिंता का कारण बन चुका है। आगामी विधानसभा चुनावों में इसका मुद्दा बनना तय माना जा रहा है और इसी मसले को फिल्म में दिखाया गया है। इसलिए माना जा रहा है कि विवाद की जड़ जितनी फिल्म है, उससे ज्यादा कुछ राजनीतिक दलों के भीतर राज्य में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उसके प्रभावों की आशंका है। जिन मानदंडों के तहत सेंसर बोर्ड ने 'उड़ता पंजाब' के प्रदर्शन पर सवाल उठाया है, क्या वह बाकी तमाम फिल्मों के बारे में यही मापदंड अपनाता है? पिछले दिनों कई ऐसी फिल्में प्रदर्शित हुईं, जिनमें कुछ प्रस्तुतियों को लेकर आपत्ति जाहिर की गई थी। लेकिन एक फिल्म के लिए लागू शर्तें दूसरी फिल्म के संदर्भ में लागू नहीं होतीं। हो सकता है कि अभिव्यक्ति की आजादी की दलील पर कुछ फिल्मों में गैरजरूरी या आपत्तिजनक दृश्य और संवाद परोसे गए हों। क्या इसे दर्शकों के विवेक पर नहीं छोड़ दिया जाना चाहिए कि वे फिल्म को कैसे देखते हैं!

वैसे तो ये सिर्फ पंजाब की नहीं पूरे देश की समस्या बनती जा रही हैं, जो सिर्फ फिल्म के प्रदर्शन रोकने से दूर नहीं होगी इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे।

*- पराग वराडपांडे*

## डिजिटल इंडिया की ओर अग्रसर उच्च शिक्षा

प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एडमिशन से लेकर अंक सूची लेने तक की प्रक्रिया ऑनलाइन की जा रही है। विद्यार्थी फीस भी ऑनलाइन भर सकते हैं। सभी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य है। अभी तक 264 महाविद्यालय एवं सभी विश्वविद्यालय में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध करवा दी गयी है। इस वर्ष 100 महाविद्यालय में यह सुविधा दी जायेगी। इसके साथ ही 177 महाविद्यालय में डिजिटल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध करवायी गयी है। प्रदेश के 101 महाविद्यालय में वर्चुअल कक्षाओं का संचालन हो रहा है। स्नातक स्तर पर 400 और स्नातकोत्तर में 80 से अधिक ई-व्याख्यान हो चुके हैं। आगामी वर्ष में 25 अन्य महाविद्यालय को इससे जोड़ना है। आधुनिक तकनीक से शिक्षण व्यवस्था के लिए शासकीय महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम बनाये जा रहे है। इस वर्ष एक करोड़ का प्रावधान है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ई-लायब्रेरी बनायी जा रही हैं। प्रदेश में 83 महाविद्यालय में ई-लायब्रेरी की स्थापना की गयी हैं। 20 महाविद्यालय में इसका कार्य प्रस्तावित है। वर्ष 2016-17 में इसके लिए 350 लाख का प्रावधान किया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग विद्यार्थी बेहतर ढंग से कर सकें, इसके लिए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन देने की योजना है। उच्च शिक्षा विभाग पेपरलेस आफिस के कांसेप्ट में कार्य कर रहा है। सभी पत्र एवं निर्देश महाविद्यालयों को आनलाइन भेजे एवं मंगवाये जाते हैं। 'सेक्योर ई-मेल सर्विस' भी शुरू की गयी है। विभाग में कर्मचारी-अधिकारी की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी महाविद्यालय में बायोमीट्रिक मशीन लगायी जा रही हैं।

विषय निरंतरता के आवेदन भी ऑनलाइन : योजनाओं की सतत मॉनीटरिंग के लिये स्काइप के माध्यम से अग्रणी महाविद्यालयों के प्राचार्य और क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालकों को उच्च शिक्षा आयुक्त कार्यालय से जोड़ा गया है। सत्र 2015-16 में पहली बार प्रायवेट महाविद्यालयों में विषय एवं पाठ्यक्रम की निरंतरता संबंधी आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किये गये। एन.सी.टी.ई. से संबंधित पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिये भी ऑनलाइन आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया गया। बी.पी.एड., एम.पी.एड. और एम.एड. पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया भी ऑनलाइन की गई।

**व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ :** वद्यार्थियों में पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ ही उन्हें भारतीय संस्कृति और परम्परा की जानकारी देने के उद्देश्य से व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ का गठन किया गया। इसके जरिये पहला व्याख्यान 'दृष्टि बदलेगी तो सृष्टि बदलेगी' पर हुआ। इसके बाद हर माह महाविद्यालयों में विभिन्न विषय पर व्याख्यान करवाये जा रहे हैं। इससे लगभग एक लाख 20 हजार विद्यार्थी लाभान्वित हुए। सभी शासकीय महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ स्थापित हो चुके हैं। सभी जिलों में युवा केन्द्र की स्थापना की गयी है। महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपलब्धता और माँग के अनुसार विषयों का युक्ति-युक्तकरण किया गया। भोपाल में ही लगभग 750 पद का युक्ति-युक्तकरण किया गया। यह प्रक्रिया सभी जिलों में की जायेगी। महाविद्यालयों में शैक्षणिक स्टॉफ की कमी को दूर करने के लिये 2163 रिक्त पद की भर्ती की प्रकिया मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा की जा रही है। विभिन्न विभाग में प्रतिनियुक्ति में पदस्थ 175 प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें महाविद्यालयों में पदस्थ किया गया है। साथ ही दूरस्थ अंचल के महाविद्यालयों में बड़े शहरों से सहायक प्राध्यापक स्थानांतरित किये गये, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन-अध्यापन में सुविधा हो। नजदीकी महाविद्यालयों से प्राध्यापकों की कमी वाले महाविद्यालयों में प्राध्यापकों का डिप्लायमेंट भी किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राध्यापक-सहायक प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिये लक्ष्मण सिंह गौड़ पुरस्कार योजना में पुरस्कारों की संख्या 30 से बढ़ाकर 248 कर दी गयी है। इसमें 8 प्राचार्य, 40 शिक्षक एवं 200 विद्यार्थी को पुरस्कार दिये जाते हैं।

(Wanted Dealer for Bhopal - Product Apna GPS System)
SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
Business Promotion, Lease Website
Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

# आड़ू खाने के ये 5 फायदे कर देंगे आपको हैरान..

आड़ू काफी हद तक सेब जैसा दिखता है लेकिन इसका बाहरी पीला रंग और इसके अन्दर के कठोर बीज इसे सेब से बिल्कुल अलग कर देते हैं. आड़ू में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, मिनरल्स और फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं जो शरीर को लाभ पहुंचाते हैं।

1. आड़ू में बहुत ही कम कैलोरी पाई जाती है. इसलिए अगर आप इसे नाश्ते में खाते हैं तो लंच टाइम तक आपको और कुछ खाने की जरूरत नहीं होती. इस तरह यह वजन को कंट्रोल करने में सहायक है।

2. आड़ू में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह काम करता है. यह हमारे इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है. 3. इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम, आपके किडनी के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आपके यूरिनरी ब्लैडर के लिए एक क्लेजिंग एजेंट की तरह काम करता है जिससे यह हमें किडनी से जुड़ी बीमारियों से दूर रखता है।4. आंखों को स्वस्थ्य और उनकी विजन पॉवर बढ़ाने के लिए इस फल का सेवन करना फायदेमंद रहता है। आड़ू में बीटा कैरोटीन पाया जाता है, जो शरीर में विटामिन ए के बनने के लिए जरूरी है। विटामिन ए रेटिना को स्वस्थ रखने में बहुत मदद करता है।5. आड़ू में पाये जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट आपको कैंसर से तो बचाते ही हैं वहीं कुछ अध्ययनों में यह बात पता चली है कि ये कीमोथेरेपी के साइड इफेक्ट से बचने की क्षमता को भी बढ़ाते हैं।

## म्यूजिक सुनने वाले बच्चे होते हैं ज्यादा समझदार

**संगीत केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है बल्कि ये मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। एक शोध के अनुसार, बच्चों को छोटी उम्र से ही संगीत का प्रशिक्षण देना शुरू कर देना चाहिए। इससे उनमें न केवल संगीत के प्रति सकारात्मक सोच का विकास होता है बल्कि सीखने की क्षमता भी बेहतर होती है। यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर लर्निंग एंड ब्रेन साइंसेस की मुख्य लेखिका क्रिस्टीना ज्ञाओ के अनुसार, अपने आप में ये पहला ऐसा अध्ययन है जो ये बताता है कि भाषा के अलावा अन्य ध्वनि प्रसंस्करण भी शिशुओं की बोलचाल क्रियातंत्र को प्रभावित कर सकते हैं।**

**ज्ञाओ के मुताबिक, हम जानते हैं कि शिशु अनुभवों की एक विस्तृत श्रंखला को तेजी से सीखते हैं। ऐसे में संगीत भी एक महत्वपूर्ण अनुभव है, जो बच्चों के मस्तिष्क विकास को प्रभावित कर सकता है।**

**इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने 39 शिशुओं का आकलन किया था। इस दौरान उन्होंने शिशुओं को उनके अभिभावकों के साथ 12 से 15 मिनट के संगीत सत्र का अनुभव कराया था। यह शोध अमेरिकी पत्रिका 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस' में प्रकाशित हुआ है।**

## क्या आप भी किसी दाढ़ी वाले लड़के को डेट कर रही हैं?

**आपको कैसे लड़के पसंद हैं? एक सर्वे की मानें तो लड़कियों को दाढ़ी वाले लड़के, क्लीन शेव लड़कों की तुलना में अधिक पसंद होते हैं। लड़कियों की नजर में ऐसे लड़के ज्यादा आकर्षक और मजबूत होते हैं। इन दो बातों के अलावा भी दाढ़ी वाले ब्वॉयफ्रेंड को डेट करने के बहुत से कारण हैं। इन बातों के चलते दाढ़ी वाले लड़कों को प्राथमिकता देती हैं लड़कियां- 1। लड़कियों को दाढ़ी रखने वाले लड़के ज्यादा आकर्षक लगते हैं। उनकी नजर में वो ज्यादा हैंडसम और सेक्सी होते हैं। 2। दाढ़ी रखने वाले लड़के, लड़कियों को ज्यादा क्रिएटिव लगते हैं। 3। ऐसे लड़के मैच्योर नजर आते हैं और लड़कियों को मैच्योर लड़के पसंद होते हैं। 4। लड़कियों को दाढ़ी रखने वाले लड़के ज्यादा समझदार लगते हैं।**

## जानें, लड़कियों को क्यों पसंद आते हैं लंबे लड़के...

**साउथ कोरिया के एक विश्वविद्यालय में हूई एक स्टडी में इस बात की पुष्टि हुई है कि जिन जोड़ों में लम्बाई का अच्छा खासा गैप होता है, वे ज्यादा खुशहाल जीवन जीते हैं। इस स्टडी के आकड़े चौकाने वाले नहीं है क्योंकि अक्सर ही देखा गया है कि महिलाओं की पहली पसंद लंबे पुरुष रहे हैं। फैक्ट्स की मानें तो लगभग 50 फीसदी महिलाएं ऐसे पुरुषों को डेट करती हैं जो उनसे काफी लम्बे होते हैं।**

**1. महिलाओं के मुताबिक जिन पुरुषों की हाइट यानी लम्बाई अच्छी होती है, वे न सिर्फ ताकतवर होते हैं बल्कि इंटेलीजेंट भी होते हैं। इस बात का मतलब यह है कि लम्बे पुरुष छोटे पुरुषों की तुलना में ज्यादा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं।**

**2. लम्बे पुरुष महिलाओं को शारीरिक सुरक्षा का एहसास देते हैं। जबकि छोटी हाइट वाले पुरुष महिलाओं को सुरक्षा का एहसास नहीं करा पाते। यही कारण है कि महिलाएं ऐसे पुरुषों की तलाश करती हैं जिनके साथ उन्हें सुरक्षा का एहसास होता है।**

**3. लम्बे पुरुष अकसर दूसरों पर अपना वर्चस्व बनाए रखने में कामयाब होते हैं और ऐसा उनके आत्मविश्वास के कारण होता है। महिलाओं को उनका यही स्वभाव और रसूख बहुत पसंद आता है।**

**4. लम्बे पुरुष अकसर फिट दिखते हैं। यही कारण है कि महिलाएं लम्बे पुरुषों के साथ रहते हुए अपनी भी फिटनेस का पूरा ख्याल रखती है।**

**5. लम्बे पुरुषों के साथ महिलाएं किसी भी तरह के बंधन में नहीं बंधी होती जैसे कि हाई हील पहनना आदि। महिलाओं को फैशन में किसी भी तरह की अटकनें पसंद नहीं आती और लम्बे पुरुषों के साथ उन्हें फैशन के मामले में भी कम एडजस्ट करना पड़ता है।**

## फिट रहने की ये 3 बातें सिर्फ पापा ही सिखा सकते हैं..

बचपन में सुबह स्कूल के लिए अक्सर पापा ही मुझे जगाते थे और फिर उनके साथ ही मैं स्कूल जाया करती थी। सुबह पांच बजे उठना किसी सजा से कम नहीं होता था। लेकिन पापा के साथ स्कूल जाने का चाव उससे कहीं ज्यादा होता था। उस पर मैं अपनी क्लास में सबसे से पहले पहुंच जाती थी और फिर वहीं बैठकर अपने याद करने वाले लैशन रिवाइज कर लिया करती थी। टाइम से उठना, टाइम से खाना और टाइम पर सोना कितना हेल्दी रूटीन होता था। अब जब 10 बजे ऑफिस पहुंचना होता है तो अक्सर नींद 8 बजे खुलती है और कई बार तो 9 बजे भी। जब बच्चे थे तो कितने सुलझे हुए थे और जब बड़े हो गए तो सब उलट-पलट। न जाने कितनी ही बीमारियों का घर हो गया है ये शरीर। ऐसा इसलिए क्योंकि पापा की सिखाई बातें मैं भूल गई थी लेकिन अब फिटनेस के वो टिप्स फिर से अपना रही हूं और अब मैं पहले से ज्यादा एनर्जी और फिट महसूस करती हूं।

आइए जानें, फिट रहने की ऐसी ही तीन बातें जो सिर्फ पापा से सीखने को मिलती हैं

**1. सुबह जल्दी उठने के फायदे :** अगर आपके पापा भी आपको जल्दी उठने की सलाह देते हैं तो उनकी बात मान लेने में ही भलाई है क्योंकि सुबह जल्दी उठने से शरीर में सारा दिन ताजगी बनी रहती है। आपको जल्दी-जल्दी काम करने की जरूरत नहीं होती और सुबह आप वर्कऑउट करने का समय भी निकाल पाते हैं।

**2. समय पर खाना खाना :** ये बात तो हर पापा को पसंद होती है कि समय घर पर सब लोग समय से खाना खा लें और ताकि शरीर का पाचन दुरूस्त रह सके। समय से खाना खाने से शरीर सुचारू रूप से काम करता है और वजन भी कंट्रोल रहता है। अगर आपने ये आदत अपने पापा से सीखी है तो आपको पता होगा कि यह फिट रहने में कितना लाभदायक है।

**3. जल्दी सोना :** देर रात तक जगना और फिर सुबह टाइम पर उठने की हड़बड़ी अगर आपको भी परेशान करती है तो याद करिए बचपन के दिन जब पापा डांट कर जल्दी सोने के लिए बोलते थे। टाइम पर सोने का सबसे बड़ा फायदा ये है कि नींद पूरी हो जाती है और शरीर को बीमारियां जल्दी नहीं घेरती।

## बीन्स खाने के ये फायदे आपको हैरत में डाल देंगे

फावा बीन्स को कई जगहों पर बाकला के नाम से भी जाना जाता है। बीन्स का इस्तेमाल सब्जी बनाने, सलाद बनाने और कई दूसरे व्यंजनों में किया जाता है। इसमें फाइबर, कैल्शियम, फॉस्फोरस, सोडियम, फोलेट्स, फोटो न्यूट्रिएंट्स, विटामिन और दूसरे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं।

बीन्स में कोलेस्ट्रॉल और सेचुरेटेड फैट नहीं होता है। इसमें कॉपर, पोटैशियम, विटामिन बी6, थायमिन, मैग्नीशियम, जिंक, सेलेनियम और विटामिन के की भी अच्छी मात्रा होती है। सप्ताह में दो बार इन बीन्स को खाने से शरीर की पोषण संबंधी कई आवश्यकताएं पूरी हो जाती हैं।

बीन्स खाने से त्वचा भी कोमल, मुलायम और जवान बनी रहती है।

बीन्स खाने के फायदे : 1। बीन्स में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। फाइबर स्किन के लिए तो फायदेमंद है ही साथ ही ये पाचन क्रिया को भी बूस्ट करने का काम करता है। अगर आपको कब्ज की समस्या है तो रोजाना बीन्स खाना फायदेमंद रहेगा।

2। बीन्स में फाइटो-न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। जो ब्रेस्ट कैंसर से बचाव में सहायक है। इसके साथ ही ये कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करने में मदद करता है।

3। बीन्स में आयरन, कॉपर और मैगनीज जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं। जो ब्लड प्रोडक्शन में मदद करते हैं। इसमें मोजूद पोटैशियम भी अच्छी सेहत के लिए जरूरी है।

4। बीन्स प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। बीन्स के सेवन से जल्दी-जल्दी भूख नहीं लगती और एनर्जी लेवल भी बना रहता है।

5। प्रेगनेंसी में बीन्स खाना बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व मां के साथ ही बच्चे के विकास के लिए भी जरूरी हैं।

# शानदार करियर के लिए 12वीं साइंस के बाद करें ये कोर्स

***साइंस स्ट्रीम से 12वीं करने के बाद अकसर स्टूडेंट्स डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं। वहीं, कुछ ऐसे भी स्टूडेंट्स हैं जो डॉक्टर, इंजीनियर तो बनना नहीं चाहते लेकिन उन्हें इसके अलावा दूसरा कोई ऑप्शन भी समझ में नहीं आता है और करियर को लेकर कंफ्यूज रहते हैं। असल में साइंस एक बहुत बड़ी स्ट्रीम हैं जिसमें एक या दो नहीं बल्कि ढेरों विकल्प मौजूद हैं। हम यहां पर आपको कुछ ऐसे ही ऑप्शंस के बारे में बता रहे हैं जो आपको अपने करियर में एक अलग मुकाम हासिल करने में मदद करेंगे: नैनो-टेक्नोलॉजी: ग्लोबल इनफॉर्मेशन इंक की रिसर्च के मुताबिक, 2018 तक नैनो टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के 3।3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। नैस्कॉम के मुताबिक 2015 तक इसका कारोबार 180 अरब डॉलर से बढ़कर 890 अरब डॉलर हो जाएगा। ऐसे में इस फील्ड में 10 लाख प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी। 12वीं के बाद नैनो टेक्नोलॉजी में बीएससी या बीटेक और उसके बाद इसी सब्जेक्ट में एमएससी या एमटेक करके इस क्षेत्र में शानदार करियर बनाया जा सकता है***

स्पेस साइंस- यह बहुत ब्रॉड फील्ड है। इसके तहत कॉस्मोलॉजी, स्टेलर साइंस, प्लैनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी जैसे कई फील्ड्स आते हैं। इसमें तीन साल की बीएससी और चार साल के बीटेक से लेकर पीएचडी तक के कोर्सेज खास तौर पर इसरो और बेंगलुरु स्थित IISC में कराए जाते हैं।

एस्ट्रो-फिजिक्स- अगर आप सितारों और गैलेक्सी में दिलचस्पी रखते हैं तो 12वीं के बाद एस्ट्रो-फिजिक्स में रोमांचक करियर बना सकते हैं। इसके लिए आप चाहें तो पांच साल के रिसर्च ओरिएंटेड प्रोग्राम (एमएस इन फिजिकल साइंस) और चार या तीन साल के बैचलर्स प्रोग्राम (बीएससी इन फिजिक्स) में एडमिशन ले सकते हैं। एस्ट्रोफिजिक्स में डॉक्टरेट करने के बाद स्टूडेंट्स इसरो जैसे रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन में साइंटिस्ट बन सकते हैं

एनवायर्नमेंटल साइंस- इस स्ट्रीम में पर्यावरण पर इंसानी गतिविधियों से होने वाले असर का अध्ययन किया जाता है। इसके तहत इकोलॉजी, डिजास्टर मैनेजमेंट, वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट, पॉल्यूशन कंट्रोल जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इन सभी सब्जेक्ट्स में एनजीओ और यूएनओ के प्रोजेक्ट्स बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में जॉब की अच्छी संभावनाएं हैं।

वॉटर साइंस- यह जल की सतह से जुड़ा विज्ञान है। इसमें हाइड्रोमिटियोरोलॉजी, हाइड्रोजियोलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट, वॉटर क्वॉलिटी मैनेजमेंट, हाइड्रोइंफॉर्मेटिक्स जैसे विषयों की पढ़ाई करनी होती है। हिमस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए इस फील्ड में रिसर्चर्स की डिमांड बढ़ रही है।

माइक्रो-बायोलॉजी- माइक्रो-बायोलॉजी की फील्ड में एंट्री के लिए बीएससी इन लाइफ साइंस या बीएससी इन माइक्रो-बायोलॉजी कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद मास्टर डिग्री और पीएचडी भी का ऑप्शन भी है। इसके अलावा पैरामेडिकल, मरीन बायोलॉजी, बिहेवियरल साइंस, फिशरीज साइंस जैसे कई फील्ड्स हैं, जिनमें साइंस में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स अच्छा करियर बना सकते हैं।

डेयरी साइंस- डेयरी प्रोडक्शन के क्षेत्र में भारत अहम देश है। भारत डेयरी प्रोडक्शन में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। डेयरी टेक्नोलॉजी या डेयरी साइंस के तहत मिल्क प्रोडक्शन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज और डिस्ट्रिब्यूशन की जानकारी दी जाती है। भारत में दूध की खपत को देखते हुए इस क्षेत्र में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की डिमांड बढने लगी है। साइंस सब्जेक्ट से 12वीं करने के बाद स्टूडेंट ऑल इंडिया बेसिस पर एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद चार वर्षीय स्नातक डेयरी टेक्नोलॉजी के कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। कुछ इंस्टीट्यूट डेयरी टेक्नोलॉजी में दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर करते हैं।

रोबोटिक साइंस- रोबोटिक साइंस का क्षेत्र काफी तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसका इस्तेमाल इन दिनों तकरीबन सभी क्षेत्रों में होने लगा है। जैसे- हार्ट सर्जरी, कार असेम्बलिंग, लैंडमाइंस। अगर आप इस फील्ड में आना चाहते हैं तो इस क्षेत्र से जुड़े कुछ स्पेशलाइजेशन कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस्ड रोबोटिक्स सिस्टम। कम्प्यूटर साइंस से स्नातक कर चुके स्टूडेंट्स इस कोर्स के लिए योग्य माने जाते हैं। रोबोटिक में एमई की डिग्री हासिल कर चुके स्टूडेंट्स को इसरो जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में रिसर्च वर्क की नौकरी मिल सकती है।

## करियर की संभावनाओं से लबरेज डेयरी टेक्नोलॉजी

**करीब एक दशक पहले तक लगभग 5 फीसदी दूध डेयरी फार्म से उत्पादित होता था, लेकिन अब यह बढकर करीब 15 फीसदी हो गया है ऐसे में इस फील्ड में करियर बनाने के लिए संभानाएं बढ़ गईहैं। इस फील्ड में भारत के विकास का अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि अमेरिका के बाद भारत दूध उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। डेयरी टेक्नोलॉजी से जुडे प्रोफेशनल का काम दूध उत्पादन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट, डिस्ट्रीब्यूशन से जुडा होता है। योग्यता: डेयरी उद्योग में भविष्य संवारने के लिए डेयरी टैक्नोलॉजी में बी.टेक., बी.एससी., एम।टेक, एम.एससी. और पी.एचडी. कर सकते हैं।**

## चीन की टेलीकॉम कंपनी कोलंबिया के स्टूडेंट्स को देगी ट्रेनिंग

**चीन की दूरसंचार कंपनी हुआवे कोलंबिया के 14 स्टूडेंट्स को दूरसंचार क्षेत्र का प्रशिक्षण देगी। ये स्टूडेंट्स हुआवे की ओर से प्रायोजित प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए चीन पहुंचेंगे। कोलंबिया में कंपनी के शीर्ष अधिकारी जियोंग युहुई ने कहा कि यह प्रशिक्षण हुआवे के 'सीड्स फॉर द फ्यूचर' प्रोग्राम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युवा प्रतिभा को चीन लाकर चीनी दूरसंचार उद्योग पर पकड़ मजबूत बनाना है। 15 दिनों के इस प्रशिक्षण में स्टूडेंट्स को चीन की राजधानी बीजिंग और शेंझेन लाया जाएगा। जहां कंपनी का मुख्यालय स्थित है। इस दौरान स्टूडेंट्स को ब्रॉडबैंड, वॉइस सेवा, डाटा सेवा, क्लाउड कंप्यूटिंग और मोबाइल तकनीक सिखाए जाएंगें। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय की अधिकारी मारिया जारामिलो ने बताया कि कोलंबिया की सरकार इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह से हुआवे के उद्देश्यों के साथ संबंधित हैं और मंत्रालय कोलंबिया में तकनीकी ज्ञान और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक है।**

# इन जगहों पर विराजमान हैं शनिदेव ...

भगवान शनिदेव को ग्रहों में सबसे प्रभावशाली माना गया है और वह मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। यही एक वजह हैं कि लोग उनकी पूजा में बहुत सावधानी बरतते हैं और उनकी प्रकोप से बचने के लिए शनिवार के दिन उनकी पूजा करते हैं।

देश के हर कोने में शनिदेव को पूजा जाता है और उनके ये छह मंदिर पूरे देश में प्रसिद्ध हैं...

**शनि शिंगणापुर :** महाराष्ट्र में स्थित इस मंदिर की ख्याति देश ही नहीं विदेशों में भी है। कई लोग तो इस स्थान को शनि देव का जन्म स्थान भी मानते है। ऐसा कहा जाता है कि यहां शनि देव हैं, लेकिन मंदिर नहीं है। घर है परंतु दरवाजा नहीं और वृक्ष है लेकिन छाया नहीं है। शिंगणापुर के इस चमत्कारी शनि मंदिर में स्थित शनिदेव की प्रतिमा लगभग पांच फीट नौ इंच ऊंची व लगभग एक फीट छह इंच चौड़ी है। देश-विदेश से श्रद्धालु यहां आकर शनिदेव की इस दुर्लभ प्रतिमा का दर्शन लाभ लेते हैं।

**शनि मंदिर इंदौर :** इंदौर में शनिदेव का प्राचीन व चमत्कारिक मंदिर जूनी इंदौर में स्थित है। यह मात्र हिंदुस्तान का ही नहीं, दुनिया का सबसे प्राचीन शनि मंदिर है। ऐसा माना जाता है कि जूनी इंदौर में स्थापित इस मंदिर में शनि देवता स्वयं पधारे थे। इस मंदिर के बारे में एक कथा प्रचलित है कि मंदिर के स्थान पर लगभग 300 वर्ष पूर्व एक 20 फुट ऊंचा टीला था, जहां वर्तमान पुजारी के पूर्वज पंडित गोपालदास तिवारी आकर ठहरे थे।

**शनिचरा मंदिर, मुरैना :** मध्य प्रदेश में ग्वालियर के नजदीकी एंती गांव में शनिदेव मंदिर का देश में विशेष महत्व है। देश के सबसे प्राचीन त्रेतायुगीन शनि मंदिर में प्रतिष्ठत शनिदेव की प्रतिमा भी विशेष है। माना जाता है कि ये प्रतिमा आसमान से टूट कर गिरे एक उल्कापिंड से निर्मित है। ज्योतिषी व खगोलविद मानते है कि शनि पर्वत पर निर्जन वन में स्थापित होने के कारण यह स्थान विशेष प्रभावशाली है। महाराष्ट्र के सिगनापुर शनि मंदिर में प्रतिष्ठित शनि शिला भी इसी शनि पर्वत से ले जाई गई है। कहते हैं कि हनुमान जी ने शनिदेव को रावण की कैद से मुक्त कराकर उन्हें मुरैना पर्वतों पर विश्राम करने के लिए छोड़ा था। मंदिर के बाहर हनुमान जी की मूर्ति भी स्थापित है।

**शनि मंदिर, प्रतापगढ़ :** भारत के प्रमुख शनि मंदिरों में से एक शनि मंदिर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में स्थित है जो शनि धाम के रूप में प्रख्यात है। प्रतापगढ़ जिले के विश्वनाथगंज बाजार से लगभग 2 किलोमीटर दूर कुशफरा के जंगल में भगवान शनि का प्राचीन पौराणिक मन्दिर लोगों के लिए श्रद्धा और आस्था के केंद्र हैं। कहते हैं कि यह ऐसा स्थान है जहां आते ही भक्त भगवान शनि की कृपा का पात्र बन जाता है। चमत्कारों से भरा हुआ यह स्थान लोगों को सहसा ही अपनी ओर खींच लेता है। अवध क्षेत्र के एक मात्र पौराणिक शनि धाम होने के कारण प्रतापगढ़ (बेल्हा) के साथ-साथ कई जिलों के भक्त आते हैं। प्रत्येक शनिवार भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

**शनि तीर्थ क्षेत्र, असोला, फतेहपुर बेरी :** यह मंदिर दिल्ली के महरौली में स्थित है। यहां शनि देव की सबसे बड़ी मूर्ति विद्यमान है जो अष्टधातुओं से बनी है।

**शनि मंदिर, तिरुनल्लर :** शनिदेव को समर्पित यह मंदिर तमिलनाडु के नवग्रह मंदिरों में से एक है। भारत में स्थित शनिदेव का यह सबसे पवित्र मंदिर माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि शनिदेव के प्रकोप के कारण किसी व्यक्ति को बदकिस्मती, गरीबी और अन्य बुरे प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा करने से शनि ग्रह के सभी बुरे प्रभावों से मुक्ति मिल जाती है।

# मां गंगा खुद करने आती हैं शिव जी का जलाभिषेक...

झारखंड के रामगढ़ में एक मंदिर ऐसा भी है जहां भगवान शंकर के शिवलिंग पर जलाभिषेक कोई और नहीं स्वयं मां गंगा करती हैं। मंदिर की खासियत यह है कि यहां जलाभिषेक साल के बारह महीने और चौबीस घंटे होता है। यह पूजा सदियों से चली आ रही है। माना जाता है कि इस जगह का उल्लेख पुराणों में भी मिलता है। भक्तों की आस्था है कि यहां पर मांगी गई हर मुराद पूरी होती है।

झारखंड के रामगढ़ जिले में स्थित इस प्राचीन शिव मंदिर को लोग टूटी झरना के नाम से जानते है। मंदिर का इतिहास 1925 से जुड़ा हुआ है और माना जात है कि तब अंग्रेज इस इलाके से रेलवे लाइन बिछाने का काम कर रहे थे। पानी के लिए खुदाई के दौरान उन्हें जमीन के अन्दर कुछ गुम्बदनुमा चीज दिखाई पढ़ा। अंग्रेजों ने इस बात को जानने के लिए पूरी खुदाई करवाई और अंत में ये मंदिर पूरी तरह से नजर आया।

**शिव भगवान की होती है पूजा :** मंदिर के अन्दर भगवान भोले का शिव लिंग मिला और उसके ठीक ऊपर मां गंगा की सफेद रंग की प्रतिमा मिली। प्रतिमा के नाभी से आपरूपी जल निकलता रहता है जो उनके दोनों हाथों की हथेली से गुजरते हुए शिव लिंग पर गिरता है। मंदिर के अन्दर गंगा की प्रतिमा से स्वंय पानी निकलना अपने आप में एक कौतुहल का विषय बना है।

**मां गंगा की जल धारा का रहस्य :** सवाल यह है कि आखिर यह पानी अपने आप कहा से आ रहा है। ये बात अभी तक रहस्य बनी हुई है। कहा जाता है कि भगवान शंकर के शिव लिंग पर जलाभिषेक कोई और नहीं स्वयं मां गंगा करती हैं। यहां लगाए गए दो हैंडपंप भी रहस्यों से घिरे हुए हैं। यहां लोगों को पानी के लिए हैंडपंप चलाने की जरूरत नहीं पड़ती है बल्कि इसमें से अपने-आप हमेशा पानी नीचे गिरता रहता है। वहीं मंदिर के पास से ही एक नदी गुजरती है जो सूखी हुई है लेकिन भीषण गर्मी में भी इन हैंडपंप से पानी लगातार निकलता रहता है।

**दर्शन के लिए बड़ी संख्या में आते हैं श्रद्धालु :** लोग दूर-दूर से यहां पूजा करने आते हैं और साल भर मंदिर में श्रद्धालूओं का तांता लगा रहता है। श्रद्धालुओं का मानना हैं कि टूटी झरना मंदिर में जो कोई भक्त भगवान के इस अदभुत रूप के दर्शन कर लेता है उसकी मुराद पूरी हो जाती है। भक्त शिवलिंग पर गिरने वाले जल को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं और इसे अपने घर ले जाकर रख लेते हैं। इसे ग्रहण करने के साथ ही मन शांत हो जाता है और दुखों से लड़ने की ताकत मिल जाती है।

# इस मंदिर में उलटे हनुमानजी की प्रतिमा

आपने अक्सर मंदिरों में हनुमानजी की खड़ी या बैठी हुई प्रतिमा देखी होगी और घर पर भी आपने ऐसी ही मूर्ति स्थापित की होगी। लेकिन शायद आपको न पता हो कि हनुमानजी का एक ऐसा भी मंदिर है जहां सिर के बल खड़ी उनकी प्रतिमा की पूजा की जाती है।

### इंदौर में स्थित है यह मंदिर

उलटे हनुमान जी का मन्दिर इंदौर के सांवेर नामक स्थान पर स्थापित है। माना जाता है कि यह मंदिर रामायण काल के समय का है। मंदिर में भगवान हनुमान की उलटे मुख वाली सिंदूर से सजी मूर्ति विराजमान है। सांवेर का हनुमान मंदिर हनुमान भक्तों का महत्वपूर्ण स्थान है।

यहां आकर भक्त भगवान के अटूट भक्ति में लीन होकर सभी चिंताओं से मुक्त हो जाते हैं। भगवान हनुमान के सभी मंदिरों में से अलग यह मंदिर अपनी विशेषता के कारण ही सभी का ध्यान अपनी ओर खींचता है।

### इस रूप के पीछे यह कथा है लोकप्रिय

कहा जाता है कि जब रामायण काल में भगवान श्री राम व रावण का युद्ध हो रहा था तब अहिरावण ने एक चाल चली। उसने रूप बदल कर अपने को राम की सेना में शामिल कर लिया और जब रात्रि समय सभी लोग सो रहे थे तब अहिरावण ने अपनी जादुई शक्ति से श्री राम एवं लक्ष्मण जी को मूर्छित कर उनका अपहरण कर लिया। वह उन्हें अपने साथ पाताल लोक में ले गया और जब वानर सेना को इस बात का पता चलता है तो चारों ओर हड़कंप मच गया। हनुमान जी भगवान राम व लक्ष्मण जी की खोज में पाताल लोक पहुंचे और वहां पर अहिरावण का वध करके वह प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण को सुरक्षित वापस ले आए थे। मान्यता है की यही वह स्थान था जहां से हनुमान जी पाताल लोक की और गए थे। उस समय हनुमान जी के पांव आकाश की ओर तथा सर धरती की ओर था जिस कारण उनके उलटे रूप की पूजा की जाती है।

### इस मंदिर की यह विशेषता है प्रसिद्ध

सांवेर के उलटे हनुमान मंदिर में एक मुख्य मान्यता यह है कि यदि कोई व्यक्ति तीन मंगलवार या पांच मंगलवार तक इस मंदिर के दर्शनों के लिए लगातार आता है तो उसके सभी कष्ट दूर हो जाते हैंएवं खुशहाल जीवन जीने लगता है और उसकी सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है। यहां मंगलवार को हनुमानजी को चोला चढ़ाने की मान्यता भी बहुत ही अदभुत है उलटे हनुमान मंदिर के दर्शन मात्र से ही परिवारीक कष्ट एवं पीड़ा दूर हो जाती है। मंदिर में श्रीराम, सीता, लक्ष्मणजी, शिव-पार्वती जी की प्रतिमाएं भी विराजमान हैं। मंदिर में स्थित हनुमान जी की प्रतिमा को अत्यंत चमत्कारी माना जाता है। इसके साथ ही उलटे हनुमान मंदिर में वर्षों पुराने दो पारिजात के वृक्ष हैं भी हैं।

# कैप्टन कूल MSD तोड़ने जा रहे हैं वन-डे मैचों का ये रिकॉर्ड, कीर्तिमान बनाने के लिए बस एक कदम हैं दूर

**हरारे।** भारत के सीमित ओवरों के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में टीम की अगुवाई करके सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में कप्तानी करने के ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। पोंटिंग ने 324 अंतरराष्ट्रीय मैचों में आस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया था जिसकी अब धोनी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच में बराबरी कर ली। हालांकि उन्हें इस रिकार्ड को तोड़ने के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा क्योंकि भारत को इस साल सीमित ओवरों के मैचों के बजाय टेस्ट मैच ज्यादा खेलने हैं। धोनी टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक मैचों में कप्तानी करने वाले खिलाड़ियों में पोंटिंग और धोनी के बाद न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग (303 मैच), दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (286), ऑस्ट्रेलिया के एलन बोर्डर (271), श्रीलंका के अर्जुन रणतुंगा (249), भारत के मोहम्मद अजहरुद्दीन (221) और सौरभ गांगुली (196) का नंबर आता है। वर्ष 2007 में भारतीय टीम के कप्तान नियुक्त किये गए धोनी ने अपने करियर में 60 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की अगुवाई की जबकि वह अब तक 194 एकदिवसीय और 70 टी-20 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं। नौ वर्षों के अब तक अपनी कप्तानी में धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान माने जाते हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को 27 टेस्ट, 107 वनडे और 40 टी-20 मैचों में जीत दिलाई है। 34 वर्षीय धोनी की कप्तानी में ही भारत ने 2007 में टी-20 विश्वकप, 2011 में एकदिवसीय विश्वकप और 2013 में चैंपियंस ट्राफी जीता था। इसके अलावा वह अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर भी पहुंचा चुके हैं।

# उड़ता पंजाब :

## अंतर्मन को झकझोर देगी

***निर्माता: एकता कपूर/फैंटम फिल्म्स***
***निर्देशक: अभिषेक चौबे***
***सितारे: शाहिद कपूर, आलिया भट्ट, दिलजीत दोसांज, करीना कपूर***

पिछले दिनों सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रही फिल्म 'उड़ता पंजाब' और आखिरकार बहुत सारे उतार-चढ़ाव के बाद ये फिल्म अब रिलीज हो चुकी है । पंजाब के नेताओं की छत्रछाया में अवैध ड्रग्स का व्यवसाय फूल-फल रहा है और उसी पर आधारित हे ये बेमिसाल फिल्म। इसमें तीन अलग-अलग कहानियां हैं जिसे जोड़ता है ड्रग्स और इसका कारोबार।

उड़ता पंजाब का ट्रीटमेंट आर्ट फिल्म जैसा है, जिसे बेहद मनोरंजक बनाया गया है। इस डार्क फिल्म का अंधेरा अपने अंदर एक श्वेत उजाले को समेटे हुए है। फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह पंजाब में नशे और ड्रग्स ने रॉकस्टार से लेकर आम युवाओं को अपने चंगुल में जकड़ रखा है और उसकी जड़े है पुलिस, पार्टी और वो गायक जो चार बोतल वोदका बेचते नजर आते है।
फिल्म के लिए शाहिद कपूर ने जो लुक और लहजा लिया है वो कमाल है। शाहिद ने हैदर के बाद फिर से उम्दा काम किया है। करीना कपूर का किरदार बेहद कमजोर है। लेकिन आलिया भट्ट का काम, सर्वोत्तम है, जिसे देखकर लगता ही नहीं की वो आलिया हैं और शायद ही इस उम्र में किसी ने ऐसा काम किया हो । वो वक्त से बहुत आगे है और निसंदेह फिल्म इंडस्ट्री का भविष्य भी है। उनके अभिनय को नमन। बाकी कलाकारों ने भी सहज अभिनय किया है। पंजाब एक भोला भाला राज्य है जहां के लोग जिन्दगी काटने में नहीं बल्कि जीने में विश्वास रखते है। वहा की जोशीली नौजवान पीढ़ी को ड्रग्स की आग में झोका जा रहा है। जबकि असली जोश तो देश की सेवा में है। शहीद हनुमंथप्पा का जोश सालो तक युवाओं को प्रेरित करेगा। ऐसा जोश किसी ड्रग्स का मोहताज नहीं होता। क्या परिवार, समाज और देश की सेवा को लत नहीं बनाया जा सकता।

इस फिल्म को इतनी सच्चाई और ईमानदारी से बनाया गया है कि ये आपके अंतर्मन को झकझोर देगी। शर्म आनी चाहिये ऐसे सेंसर बोर्ड को जो सार्थक सिनेमा की समझ ही नहीं रखता। यदि आप गम्भीर मुद्दों पर बनी फिल्म से इत्तेफाक रखते हैं, तो यह फिल्म जरूर देखें। मै इस फिल्म को 5 में से 4 स्टार देता हूँ।

★★★★ *अजय सिसोदिया*

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)